शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

विश्व के प्रमुख घास के मैदान

काव्य मंजरी

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

शैक्षिक कविताओं का संकलन

संकलन

काव्य मंजरी टीम, मिशन शिक्षण संवाद

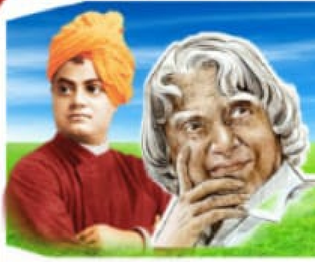

मिशन शिक्षण संवाद
विश्व में घास के मैदान

सवाना के मैदान

01

प्रकृति में फैले हैं ये,
कितने जंगल और वन।
घास के मैदान जो फैले,
भाते हम सबके मन।।

घास के इन मैदानों से,
हम ना रहें अनजान।
उष्णकटिबंधीय घास के,
हैं "सवाना के मैदान"।।

पूर्वी अफ्रीका में मिलते,
मिलते कोलंबिया में।
पाए जाते वेनेजुएला,
केन्या, तंजानिया में।।

जाकर देखो ये इतने,
होते हैं हरे-भरे, सुंदर।
नीचे बिछी हुई हरियाली,
ऊपर छाया नीला अम्बर।।

रचना- श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि०धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

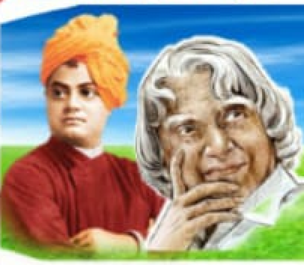

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व में घास के मैदान

पम्पास : (अर्जेंटीना, उरुग्वे, ब्राजील) 02

दक्षिण अमेरिका की जो निचली,
है उपजाऊ भूमि का व्यास।
क्वेशुआ में कहलाता है ये,
पम्पा या मैदान पम्पास।।

अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में,
सुनिए है इसका विस्तार।
ला पम्पा, संता फे, कोरडोवा,
और उरुग्वे के भाग हैं अधिकांश।।

समशीतोष्ण और कटिबन्धीय,
घास के जो हरियाले मैदान।
रियो ग्रान्दे, दो सुल तक हैं,
फैले ब्राजील में ये मैदान।।

अटलांटिक महासागर से लेकर,
एंडीज पर्वत तक इनका विस्तार।
सात-आठ लाख वर्ग किलोमीटर,
में है पम्पास मैदान का प्रसार।।

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

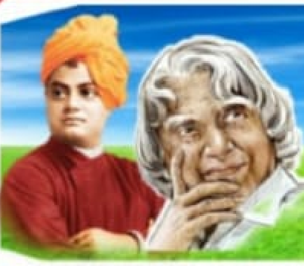

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व में घास के मैदान

स्टेपीज घास का मैदान

03

यूरेशिया के समशीतोष्ण क्षेत्र में,
विशाल घास का मैदान पाया जाता है।
जो स्तॅप, स्तॅपी, स्टेपी या स्टेपीज,
के नाम से जाना जाता है।।

घास, फूँस और छोटी झाड़ी,
मिलती हैं बहुतायत यहाँ।
पेड़ों के रूप में वनस्पति जीवन,
कम देखने को मिलता वहाँ।।

पूर्वी यूरोप में युक्रेन से लेकर,
मध्य एशिया तक फैले।
कुछ क्षेत्र हैं बहुत शुष्क,
और कुछ क्षेत्र हैं बर्फीले।।

भारत का सांस्कृतिक प्रभाव,
इस क्षेत्र पर पड़ा है गहरा।
बौद्ध धर्म का हुआ फैलाव,
स्वास्तिक, बिंदिया चिह्न है गहरा।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ.... .ल बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

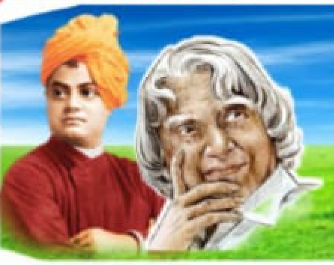

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व में घास के मैदान

पार्कलैंड-आस्ट्रेलिया

04

आओ बच्चों जाने क्या घास की धरती है,
ऐसी धरती जहाँ घास ही मुख्य उगती है।
जहाँ वर्षा इतनी जंगल उगाये जा सकते हैं,
इतनी कम नहीं कि मरुस्थल बताये जा सकते हैं।।

अलग-अलग जगह पर अलग-अलग नाम हैं,
पूरे विश्व में फैले ये घास के मैदान हैं।
आस्ट्रेलिया में पार्कलैंड, क्वींसलैंड इनके नाम हैं,
40 मिलियन हेक्टेयर मे फैले ये मैदान हैं।।

मवेशियों के लिए पर्याप्त भोजन का आधार हैं,
कई जीवों के लिए सिर्फ यही घरबार हैं।
आस्ट्रेलिया में नाम्बौर टाउन के पास इनका विस्तार है,
उष्णकटिबंधीय घासभूमि इनका प्रकार है।।

ये मैदान क्यूँ जरूरी हैं जाने इसका कारण,
पूरी दुनिया मे होता है जितना कार्बन उत्सर्जन।
इसका तीस फीसदी ये कर लेते हैं अवशोषित,
इस तरह पर्यावरण को करते हैं सुरक्षित।।

रचना- ज्योति सागर (स०अ०)
कम्पो० उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व में घास के मैदान

लानोज - वेनेजुएला

05

विश्व के कई ऐसे मैदान,
पाए जाते जहाँ घास के मैदान।
घने घासों के बीच एक- दो हो पेड़,
कहते है उसे घास के मैदान।

दो भागों में बंटे घास के मैदान,
उष्ण व शीतोष्ण कटिबंधीय मैदान।
लानोज है उष्ण कटिबंधीय मैदान,
बहती आरिनिको नदी यहाँ इस मैदान।।

उष्ण क्षेत्र के जो घास के मैदान,
कहलाते उष्ण कटिबंधीय घास के मैदान।
कैम्पास, सेल्वास, लानोज और सवाना,
लानोज प्रमुख घास का मैदान।।

लानोज है घास का मैदान,
कहते इसे लास लानोज भी।
पाया जाता दक्षिणी अमेरिका में,
व कोलंबिया और वेनेजुएला देश में।।

रचना- प्रियंका यादव (स०अ०)
प्रा० वि० खानपुर कदीम
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व में घास के मैदान

सेल्वास - अमेजन बेसिन 06

सेल्वास का एक किस्सा है,
यह अमेजन बेसिन का हिस्सा है।
भूमध्य रेखा के पास होता ,
जैव विविधता से भरा होता।।

उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों का रुप सिल्वास,
पौधों,जानवरों की प्रजातियों का है निवास।
होते वन यहाँ के सदैव सदाबहार,
नहीं शुष्क मौसम होता सदाबहार ।।

शरद ऋतु का यहां ना होता कोई असर,
यह क्षेत्र है भारी बादलों का घर ।
सेल्वास का क्षेत्र है बहुत बड़ा ,
कोलम्बिया,दक्षिण अमेरिका इसी में खड़ा ।।

अमेजन और हजारों नदियों से यह भरा,
पर्याप्त पोषक तत्वों से है यह घिरा ।
पाये जाते लम्बे-चौड़े छज्जे इन वनो में,
होता शीतल वातावरण इन वनों में ।।

रचना- इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा०वि० पनेरूआ
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

विश्व में घास के मैदान

सेराडो

07

वह क्षेत्र,
घासभूमि कहलाता।
पोएसी कुल का,
प्रभुत्व जहाँ आता।।

उष्ण हो चाहे,
शीत कटिबन्ध।
ब्राजील में सेराडो,
नाम से बद्ध।।

विश्व में लगभग,
एक-चौथाई।
घासभूमि की,
पेटी आई।।

साईपरेसी या जनकेसिया,
कुल भी इनमें आता है।
अंटार्कटिका को छोड़कर,
सभी जगह पाया जाता है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।
रचना
आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
क० वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

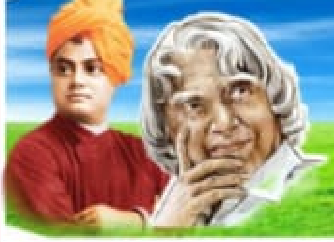

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व में घास के मैदान

साहेल- अफ्रीका में लाल सागर से अटलांटिक सागर तक 08

अफ्रीका के पश्चिम से पूर्व तक,
फैला साहेल का क्षेत्र है।
सहारा के रेगिस्तान को दक्षिण के मैदान,
से पृथक करता क्षेत्र है।।

घास भूमि, या विहार भूमि,
ऐसे विस्तृत क्षेत्र को कहते हैं।
जहाँ दूर-दूर घास के,
छोटे झाड़ फैले रहते हैं।।

ऐसी जगह पर जहाँ-तहाँ,
दो-चार वृक्ष भी होते हैं।
पर भूमि के अधिकतर,
हिस्से घास से बिछे होते हैं।।

साहेल पट्टी की लंबाई 3762,
हजारों किलमीटर चौड़ी है।
सेनेगल, मांरीतानिया, नाइजर,
चाड़, सूडान, इरीट्रिया में फैली है।।

रचना-

शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि० भौरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

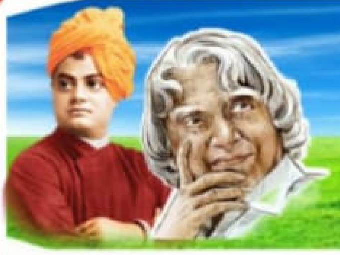

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व में घास के मैदान

वेल्ड

घास की छोटी-छोटी झाड़ों से,
ढ़के मैदानी क्षेत्र होते हैं।
अफ्रीकी-भाषा में खुले क्षेत्र को,
वेल्ड भी कहते हैं।।

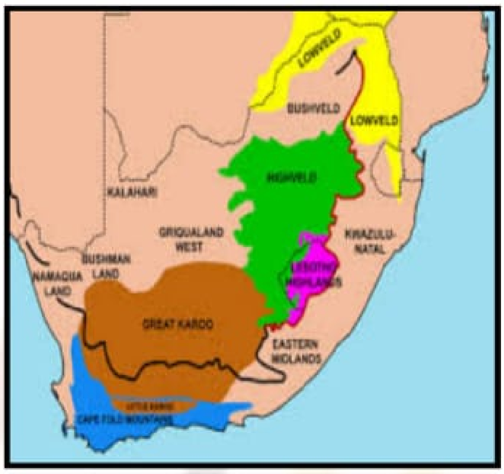

ब्रिटिश उपनिवेश से पहले,
दक्षिण-अफ्रीका को डचवासी।
वेल्ड-वेल्ड कहते थे,
ड्रेकेस्बर्ग पर्वत के लोग निवासी।।

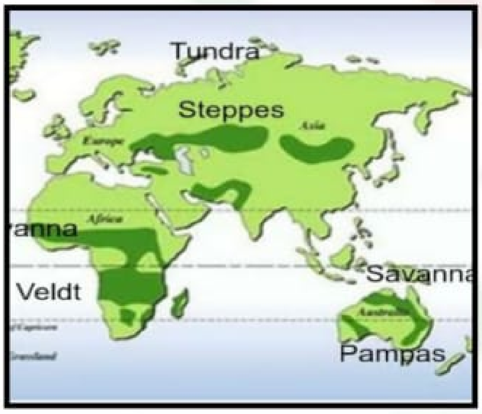

शीतोष्ण घास स्थल को,
दक्षिण अफ्रीका का वेल्ड कहते हैं।
600- 1100 मीटर ऊँचाई,
वाले उर्मित-पठार होते हैं।।

पश्चिम में स्थित रेगिस्तान,
को कालाहारी कहते हैं।
जो नदियाँ सिंचित करें उन्हें,
ऑरेंज व लिंपोपो नदी कहते हैं।।

रचना- गुलफ्शाँ (स०अ०)
प्रा० वि० केवटरा बेंता
देवमई, फतेहपुर

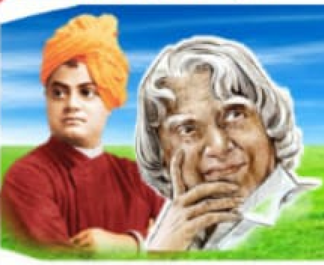

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व में घास के मैदान

केंटरबरी- न्यूज़ीलैंड 10

प्रकृति में चारों ओर फैले,
जंगल और वन नजर आते हैं।
विशाल, सुन्दर घास के मैदान,
सैलानियों के मन को भाते हैं।।

केंटरबरी न्यूजीलैंड में स्थित शीतोष्ण,
कटिबंधीय घास के मैदान हैं।
दोनों गोलार्द्धों में 23-50 से 66-50,
अक्षांशों के मध्य विस्तार महान है।।

विश्व के सभी महाद्वीपों पर,
प्राकृतिक घासभूमियों का विस्तार है।
इन क्षेत्रों में साइपरेसी एवं,
जंकेसिया कुल के पौधों की भरमार है।।

घास के इन मैदानों की,
प्राकृतिक छटा निराली है।
आँखों को ठंडक पहुँचाती,
मन पुलकित करने वाली है।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व में घास के मैदान

डाउन्स-आस्ट्रेलिया

11

फैला हुआ है जगत,
देखो यह महान।
घास के हैं यहाँ होते,
अनेको हैं मैदान।।

नाम है इस मैदान का डाउन्स,
आस्ट्रेलिया के बहुत सारे टाउंस।
यहाँ हैं शीतोष्णकटिबंधीय वन,
देख कर खुश हो जाता तनमन।।

प्रसिद्ध जानवर है कंगारू,
देखो होता बहुत जुझारू।
थैली होती इसके पेट में,
फिर भी संतुलित रहता वेट में।।

भेड़ें यहाँ की देखो खास,
पर्वत भी है यहीं अल्पास।
ऑस्ट्रेलिया की राजधनी केनबरा,
जो है प्रवाल द्वीपों से भरा।।

रचना- आकांक्षा मिश्रा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय सिकन्दरपुर
सुरसा, हरदोई

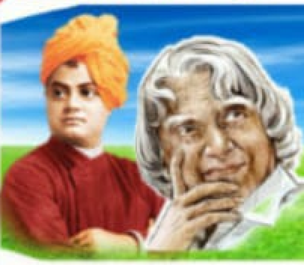

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व में घास के मैदान

पुस्ताज- हंगरी

12

मध्य यूरोप में स्थिति एक,
गणराज्य "हंगरी" देश है।
दुनिया के तीस लोकप्रिय,
पर्यटन-स्थलों में से एक है।।

सबसे बड़ी गर्म-जल गुफा,
झील यहाँ पर स्थिति है।
"हेविज-बालातोन" झील,
जिसे कहते वो यहीं पर है।।

यूरोप के बड़े घास के मैदान,
"पुस्ताज" हंगरी में पाए जाते हैं।
होटोबैंगी मैदान भी हंगरी के,
अधिकार क्षेत्र में आते हैं।।

यह शीतोष्ण कटिबंधीय क्षेत्र,
आल्प्स पर्वत श्रेणियों से घिरा हुआ है।
पोलैंड, आस्ट्रिया के "पुस्ताज",
घास के मैदानों से मिला हुआ है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पू० मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के प्रमुख घास के मैदान

रचनाकारों की सूची

1 पूनम गुप्ता अलीगढ़
2 शिखा वर्मा, सीतापुर
3 हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
4 ज्योति सागर, बागपत
5 प्रियंका, फतेहपुर
6 इला सिंह, फतेहपुर
7 आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
8 शहनाज़ बानो, चित्रकूट
9 गुलफ्शां, फ़तेहपुर
10 जितेन्द्र कुमार, बागपत
11 आकांक्षा मिश्रा, हरदोई
12 नैमिष शर्मा, मथुरा

तकनीकी सहयोग
1 नाज़िया परवीन, मुरादाबाद
2 नमिता राजपूत, मुरादाबाद
3 सुधांशु श्रीवास्तव, फ़तेहपुर

मार्गदर्शन:- राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन:- मिशन शिक्षण संवाद